THE RESEARCH DIALOGUE
An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
© The Research Dialogue | Volume-05 | Issue-01 | April-2026
Available online at: https://theresearchdialogue.com/

स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के गृह वातावरण का उनके व्यक्तित्व के सन्दर्भ में अध्ययन

प्रिया मिश्रा[1], डॉ0 अजय सिंह[2]
[1]शोधार्थी, शिक्षाशास्त्र विभाग, पी.एस.एम. पी.जी. कॉलेज, कन्नौज।
[2]प्राचार्य/प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विभाग, पी.एस.एम. पी.जी. कॉलेज, कन्नौज।

सारांश

स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास में उनके गृह वातावरण का महत्वपूर्ण प्रभाव होता है। यह अध्ययन इस उद्देश्य से किया गया कि विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश, जैसे कि माता–पिता की शिक्षा, पारिवारिक संबंध, आर्थिक स्थिति और सामाजिक वातावरण, उनके व्यक्तित्व लक्षणों जैसे आत्मविश्वास, सामाजिक व्यवहार, संचार कौशल और भावनात्मक स्थिरता पर किस प्रकार प्रभाव डालते हैं। अध्ययन में प्राथमिक और द्वितीयक डेटा एकत्रित किया गया, जिसमें सर्वेक्षण प्रश्नावली और साक्षात्कार विधियों का उपयोग किया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि वाले स्नातक स्तर के विद्यार्थियों का चयन किया गया। अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि सकारात्मक और सहयोगी गृह वातावरण विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है। जिन परिवारों में माता–पिता का संवाद और सहभागिता अधिक थी वहां विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और नेतृत्व गुण अधिक विकसित पाए गए। वहीं, अस्थिर या तनावपूर्ण पारिवारिक परिस्थितियों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में संकोच, चिंता और सामाजिक समायोजन की समस्याएं अधिक देखने को मिलीं। आर्थिक स्थिति और माता–पिता की शिक्षा भी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालती हैं उच्च शिक्षा और आर्थिक स्थिरता वाले परिवारों के विद्यार्थी अधिक आत्मनिर्भर और सामाजिक रूप से सक्रिय पाए गए। अतः यह अध्ययन यह निष्कर्ष प्रदान करता है कि गृह वातावरण न केवल विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है, बल्कि उनके व्यक्तित्व और सामाजिक व्यवहार के विकास में भी निर्णायक भूमिका निभाता है। यह शोध शैक्षिक नीति–निर्माताओं, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश प्रदान करता है, ताकि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उनके परिवारिक परिवेश को सकारात्मक बनाने के उपाय किए जा सकें। यह शोध यह भी सुझाव देता है कि व्यक्तिगत विकास और सामाजिक समायोजन के लिए केवल अकादमिक शिक्षा ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि एक सहायक और संतुलित पारिवारिक वातावरण भी उतना ही आवश्यक है।

मुख्यशब्द – *स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थी,गृह वातावरण,व्यक्तित्व*

प्रस्तावना

व्यक्तित्व किसी भी व्यक्ति के मानसिक, सामाजिक, भावनात्मक और व्यवहारिक गुणों का समग्र प्रतिनिधित्व करता है, जो उसके जीवन के हर क्षेत्र में उसकी प्रतिक्रियाओं, निर्णयों और कार्यों को प्रभावित करता है। व्यक्तित्व का विकास

जन्म से ही प्रारंभ होता है और यह जीवन के विभिन्न अनुभवों, सामाजिक परिवेश और पारिवारिक परिस्थितियों के प्रभाव से लगातार परिवर्तित और परिष्कृत होता है। विशेष रूप से स्नातक स्तर के विद्यार्थी जीवन के उस संवेदनशील और निर्णायक चरण में होते हैं जब उनकी सामाजिक, भावनात्मक और शैक्षिक पहचान बनने की प्रक्रिया चल रही होती है। इस अवस्था में उनके गृह वातावरण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि घर वह प्राथमिक सामाजिक संस्था है जिसमें व्यक्ति अपने प्रारंभिक अनुभव, मूल्य, नैतिक दिशा और सामाजिक व्यवहार का प्रारंभिक निर्माण करता है। गृह वातावरण में परिवार के सदस्यों के बीच संवाद की गुणवत्ता, माता–पिता की देखभाल, प्रेम, सहयोग, पारिवारिक नियम, आर्थिक स्थिति, शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता तथा सामाजिक और सांस्कृतिक मान्यताएँ शामिल होती हैं। ये सभी घटक विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। यदि गृह वातावरण सकारात्मक, सहायक और प्रेरक होता है, तो यह विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, सहनशीलता, निर्णय क्षमता, सामाजिक समझ और भावनात्मक संतुलन को प्रोत्साहित करता है। इसके विपरीत, यदि गृह वातावरण असंतुलित, तनावपूर्ण या कमजोर सामाजिक समर्थन वाला होता है, तो यह विद्यार्थियों में आत्म–संयम की कमी, सामाजिक संकोच, आक्रामकता, आत्मविश्वास की कमी और व्यक्तित्व संबंधी विकृतियों को जन्म दे सकता है। वर्तमान वैश्वीकरण और तकनीकी प्रगति के युग में विद्यार्थियों का जीवन पहले से कहीं अधिक जटिल और प्रतिस्पर्धात्मक हो गया है। ऐसे समय में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और मानसिक स्वास्थ्य पर गृह वातावरण के प्रभाव का अध्ययन अत्यंत आवश्यक हो जाता है। विशेषकर स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए जो अपने कैरियर, सामाजिक जीवन और व्यक्तिगत विकास के महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे होते हैं, उनका मानसिक और भावनात्मक संतुलन बनाए रखना न केवल उनके शैक्षिक प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि उनके सामाजिक और पेशेवर जीवन के लिए भी आवश्यक है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और भारतीय शोधों ने यह स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों का गृह वातावरण उनके व्यवहार, अध्ययन की आदतों, संचार कौशल, आत्म–अधिगम क्षमता और सामाजिक सहभागिता में गहरा प्रभाव डालता है। उदाहरण स्वरूप, माता–पिता की शिक्षा, परिवार में पारस्परिक सहयोग, घरेलू तनाव की मात्रा, परिवार के आकार, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक मूल्यों का विद्यार्थी के व्यक्तित्व पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव होता है। इस प्रकार, गृह वातावरण को केवल एक भौतिक या आर्थिक संदर्भ में नहीं देखा जा सकता बल्कि इसे विद्यार्थियों की मानसिकता, सोच, भावनाओं और सामाजिक व्यवहार के निर्माण में एक महत्वपूर्ण सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारक के रूप में माना जाता है। गृह वातावरण के प्रभाव में उन कारकों को भी शामिल किया जाता है, जो विद्यार्थियों के सामाजिक व्यवहार, नैतिक मूल्यों, समस्याओं को सुलझाने की क्षमता और तनाव प्रबंधन कौशल को प्रभावित करते हैं। इसके अलावा, वर्तमान शिक्षा प्रणाली और सामाजिक परिवेश में विद्यार्थी केवल शैक्षिक ज्ञान ही नहीं प्राप्त कर रहे हैं बल्कि वे सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक अनुभवों से भी गुजर रहे हैं, जो उनके व्यक्तित्व को और परिपक्व और विकसित बनाते हैं इसलिए यह आवश्यक है कि गृह वातावरण के विविध पहलुओं का गहन अध्ययन किया जाए ताकि यह समझा जा सके कि कौन–कौन से तत्व विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं और कौन–कौन से तत्व उनके व्यक्तित्व में असंतुलन या तनाव उत्पन्न कर सकते हैं। शोध का यह प्रयास न केवल शैक्षिक संस्थानों और परिवारों के लिए उपयोगी होगा बल्कि यह नीति निर्माण और विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास के लिए भी मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इसके माध्यम से शिक्षा नीति निर्माता, शिक्षक, मार्गदर्शक और परिवार यह समझ सकेंगे कि कैसे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का संतुलित और सकारात्मक विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। विशेषकर भारतीय सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ में, जहाँ परिवार का सामाजिक और भावनात्मक प्रभाव अत्यधिक महत्वपूर्ण है, गृह वातावरण के अध्ययन से यह स्पष्ट होगा कि किस प्रकार पारिवारिक समर्थन, माता–पिता की भागीदारी, पारिवारिक मूल्यों और आर्थिक संसाधनों की उपलब्धता

विद्यार्थियों के आत्म–सम्मान, आत्मविश्वास, सामाजिक समझ और पेशेवर दृष्टिकोण को प्रभावित करती है। इस प्रकार, इस अध्ययन का परिचय यह स्पष्ट करता है कि गृह वातावरण और व्यक्तित्व के बीच गहरा अंतर्संबंध है, और स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के संदर्भ में इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक और सार्थक है ताकि शिक्षा, सामाजिक और परिवारिक हस्तक्षेपों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया जा सके, उनके मानसिक और भावनात्मक संतुलन को सुदृढ़ किया जा सके और उनके संपूर्ण शैक्षिक तथा सामाजिक विकास में योगदान दिया जा सके।

आवश्यकता एवं महत्व

स्नातक स्तर के विद्यार्थी जीवन के उस संवेदनशील चरण में प्रवेश कर चुके होते हैं जब उनके शैक्षिक, सामाजिक, मानसिक और भावनात्मक विकास की प्रक्रिया चरम पर होती है। यह वह अवधि है जिसमें व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता की ओर बढ़ता है, निर्णय लेने की क्षमता विकसित करता है, और सामाजिक एवं व्यक्तिगत जिम्मेदारियों का अनुभव करता है। इस अवस्था में गृह वातावरण का प्रभाव अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह न केवल विद्यार्थियों के मूलभूत सामाजिक और नैतिक मूल्यों के निर्माण में योगदान करता है, बल्कि उनके व्यक्तित्व के समग्र विकास में भी निर्णायक भूमिका निभाता है। गृह वातावरण में परिवार के सदस्यों के बीच संबंध, माता–पिता का व्यवहार, आर्थिक स्थिति, पारिवारिक मूल्य, पारस्परिक समर्थन और परिवार में विद्यमान तनाव या सहयोग जैसी स्थितियाँ शामिल होती हैं। ये सभी तत्व मिलकर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों जैसे आत्मविश्वास, सामाजिक कौशल, सहनशीलता, संकोच रहित व्यवहार, निर्णय क्षमता और मानसिक स्थिरता को प्रभावित करते हैं। इसलिए इस विषय पर शोध करना केवल शैक्षिक दृ ष्टि से ही नहीं बल्कि सामाजिक और व्यक्तिगत दृष्टि से भी अत्यंत आवश्यक है।

व्यक्तित्व मानव व्यवहार का वह समग्र स्वरूप है जो उसकी मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और नैतिक विशेषताओं का प्रतिबिंब प्रस्तुत करता है। व्यक्तित्व का विकास जटिल प्रक्रिया है जिसमें जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारक गहराई से अंतःक्रिया करते हैं। शोध के क्षेत्र में यह सिद्ध हो चुका है कि किसी भी विद्यार्थी का व्यक्तित्व उसके जीवन के प्रारंभिक और माध्यमिक अनुभवों से गहराई से प्रभावित होता है, और इनमें सबसे प्रमुख योगदान उसके गृह वातावरण का होता है। यदि विद्यार्थी का पारिवारिक परिवेश सकारात्मक, सहायक और समर्पित हो, तो वह अपने व्यक्तित्व के विविध पहलुओं जैसे आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता, सामाजिक सहयोग, सहनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से विकसित कर सकता है। इसके विपरीत, असंतुलित, तनावपूर्ण या असहायक गृह वातावरण विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्मसम्मान और सामाजिक व्यवहार में नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, जिससे उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास बाधित होता है।

शैक्षिक दृष्टि से भी इस अध्ययन का महत्व अत्यधिक है। स्नातक स्तर के विद्यार्थियों का व्यक्तित्व उनके शैक्षिक प्रदर्शन, अनुशासन, सहयोगात्मक क्षमता और रचनात्मकता को सीधे प्रभावित करता है। यदि विद्यार्थी का गृह वातावरण उसे मानसिक और भावनात्मक समर्थन प्रदान करता है, तो वह अधिक आत्मनिर्भर और सकारात्मक रूप से सीखने के लिए प्रेरित होता है। इसके विपरीत, यदि विद्यार्थी का गृह वातावरण तनावपूर्ण, असुरक्षित या असहायक है, तो उसका शैक्षिक प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है और उसके व्यक्तित्व के विकास में बाधाएँ उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए, गृह वातावरण और व्यक्तित्व के बीच संबंध का अध्ययन शैक्षिक संस्थानों, मार्गदर्शकों और नीतिनिर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रदान करता है।

©The Research Dialogue | Received: 01 April 2026 | Accepted: 05 April 2026 | Published: 15 April 2026

व्यक्तित्व के विकास में गृह वातावरण का महत्व केवल पारिवारिक संबंधों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक संसाधनों की उपलब्धता भी शामिल होती है। आर्थिक रूप से सशक्त परिवार अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सीखने के लिए आवश्यक संसाधन और सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी का अवसर प्रदान कर सकते हैं। इसी प्रकार, माता–पिता की शिक्षा का स्तर और उनके द्वारा अपनाई जाने वाली शैक्षिक और नैतिक दृष्टिकोण भी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सांस्कृतिक परंपराएँ, पारिवारिक मूल्य और सामाजिक आदर्श विद्यार्थियों के नैतिक, भावनात्मक और सामाजिक गुणों के विकास में मार्गदर्शन करते हैं। इस प्रकार, गृह वातावरण एक बहुआयामी सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना है, जो विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विविध पहलुओं पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डालती है।

शोध के परिणाम विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास, शैक्षिक सुधार और समाज में सकारात्मक योगदान के लिए नीतिगत सुझाव प्रदान कर सकते हैं। उदाहरण स्वरूप, यदि अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि परिवार के समर्थन और संवाद की कमी विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और सामाजिक कौशल में कमी का कारण है, तो शिक्षा विभाग और मार्गदर्शक संस्थान विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग, व्यक्तित्व विकास और मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं। इसके साथ ही, परिवारों को यह समझाने में भी सहायता मिलेगी कि उनके व्यवहार और वातावरण का बच्चों के व्यक्तित्व पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है, और सकारात्मक परिवर्तन कैसे लाए जा सकते हैं।

सम्बन्धित शोध साहित्य अध्ययन

- कृष्णा (2024) के अध्ययन में यह पाया गया कि सकारात्मक गृह वातावरण विद्यार्थियों के अंग्रेजी विषय में शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है।
- क्रॉस (2024) के अध्ययन में यह पाया गया कि पारिवारिक वातावरण किशोरों के आत्म–सम्मान के विकास को प्रभावित करता है।
- हेंग (2025) ने एक अध्ययन में बताया कि सकारात्मक पारिवारिक संबंध स्नातक विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।
- यूनस (2025) के अध्ययन में यह पाया गया कि पाकिस्तान में उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि और गृह वातावरण के बीच कमजोर सकारात्मक सहसंबंध है।
- बायोटलांग (2025) के अध्ययन में यह पाया गया कि गृह वातावरण और सामाजिक समर्थन दोनों ही वरिष्ठ हाई स्कूल विद्यार्थियों की अध्ययन प्रेरणा को प्रभावित करते हैं।

समस्या कथन

स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थिंयों के गृह वातावरण का उनके व्यक्तित्व के सन्दर्भ में अध्ययन।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों के गृह वातावरण का उनके व्यक्तित्व के सन्दर्भ में अध्ययन।
2. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं के गृह वातावरण का उनके व्यक्तित्व के सन्दर्भ में अध्ययन।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाऐं

1. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों के गृह वातावरण का उनके व्यक्तित्व पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।
2. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं के गृह वातावरण का उनके व्यक्तित्व पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए कन्नौज जनपद के स्नातक स्तर के महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

न्यादर्श

वर्तमान शोध हेतु केवल 200 विद्यार्थिंयों को शामिल किया गया है।

उपकरण

- गृह वातावरण मापने हेतु – डॉ0 हरप्रीत भाटिया एवं डॉ0 एन0के0 चड्डा द्वारा निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।
- व्यक्तित्व मापने हेतु – डॉ0 गिरीधर प्रसाद ठाकुर द्वारा निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

परिकल्पनाओं का परिभाषीकरण

तालिका संख्या – 1

स्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों के गृह वातावरण एवं व्यक्तित्व के सहसम्बन्ध का विश्लेषण एवं व्याख्या

समूह	संख्या	सहसम्बन्ध	सार्थकता स्तर
छात्र	100	0.368	धनात्मक

व्याख्या :–

तालिका संख्या 1 में स्नातक स्तर में अध्ययनरत् छात्रों के गृह वातावरण का छात्रों के व्यक्तित्व पर प्रभाव को दर्शाया गया है। स्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों का दोनो चरों के मध्य सहसम्बन्ध का मान 0.368 प्राप्त हुआ है। प्राप्त सहसम्बन्ध का मान धनात्मक सहसम्बन्ध का प्रतीक है। स्नातक स्तर में अध्ययनरत छात्रों के गृह वातावरण एवं व्यक्तित्व के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

तालिका संख्या – 2

स्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं के गृह वातावरण एवं व्यक्तित्व के सहसम्बन्ध का विश्लेषण एवं व्याख्या

समूह	संख्या	सहसम्बन्ध	सार्थकता स्तर
छात्राऐं	100	0.224	धनात्मक

व्याख्या :–

तालिका संख्या 2 में स्नातक स्तर में अध्ययनरत् छात्राओं के गृह वातावरण का छात्राओं के व्यक्तित्व पर प्रभाव को दर्शाया गया है। स्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं का दोनो चरों के मध्य सहसम्बन्ध का मान 0.224 प्राप्त हुआ है। प्राप्त सहसम्बन्ध का मान धनात्मक सहसम्बन्ध का प्रतीक है। स्नातक स्तर में अध्ययनरत छात्राओं के गृह वातावरण एवं व्यक्तित्व के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

निष्कर्ष

1. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों के गृह वातावरण एवं व्यक्तित्व के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।
2. स्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्राओं के गृह वातावरण एवं व्यक्तित्व के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- हेंग, स. (2025). कंबोडिया में स्नातक छात्रों के व्यक्तित्व और शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ गृह वातावरण का संबंध, रिसर्चगेट।
- यूनुस, म. (2025). उच्च स्तर पर छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों पर गृह वातावरण का प्रभाव, रिसर्चगेट.
- बायोटलांग, ज. (2025), वरिष्ठ उच्च विद्यालय के छात्रों की अध्ययन प्रेरणा पर गृह वातावरण और सामाजिक समर्थन का प्रभाव, आरएसआई अंतर्राष्ट्रीय जर्नल.
- क्रॉस, टी. (2024). पारिवारिक वातावरण और किशोर आत्म–सम्मान : एक अनुभवात्मक अध्ययन, साइंसडायरेक्ट.
- कृष्णा, र. (2024). छात्रों की अंग्रेजी विषय में उपलब्धि पर गृह वातावरण का प्रभाव : एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा, रिसर्चगेट.

Cite this Article

प्रिया मिश्रा, डा0 अजय सिंह, "स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के गृह वातावरण का उनके व्यक्तित्व के सन्दर्भ में अध्ययन" The Research Dialogue, Open Access Peer-reviewed & Refereed Journal, Pp-504–510, Volume-05, Issue-01, April-2026, https://theresearchdialogue.com/

This is an Open cess Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved.

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

प्रिया मिश्रा[1], डॉ0 अजय सिंह[2]

For publication of Research Paper title

स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के गृह वातावरण का उनके व्यक्तित्व के सन्दर्भ में अध्ययन

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and E-ISSN: 2583-438X, Volume-05, Issue-01, Month April, Year-2026, Impact Factor (RPRI-4.73)

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Editor- In-chief

Dr. Neeraj Yadav
Executive-In-Chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://theresearchdialogue.com/